परिश्रम का फल

(संवाद)

17

(एक आश्रम में साधु और उसके शिष्य, सभी अपने-अपने काम में लगे हुए हैं। रामकिशन नाम का एक व्यक्ति आश्रम में आता है।)

रामकिशन – (प्रवेश कर) साधु महाराज, प्रणाम!

साधु – आओ रामकिशन, कहो घर में सब कुशल तो है?

रामकिशन – अब क्या बताऊँ महाराज!

साधु – हाँ...हाँ बताओ। मैं तुम्हारी सहायता करूँगा।

रामकिशन – घर में खाने को *अन्न* तक नहीं है। भूखे मरने की नौबत आ गई है।

साधु – क्या तुम कोई काम-धंधा नहीं करते?

रामकिशन – महाराज, सब *भाग्य* का खेल है। मुझे तो समझ नहीं आता कि क्या करूँ?

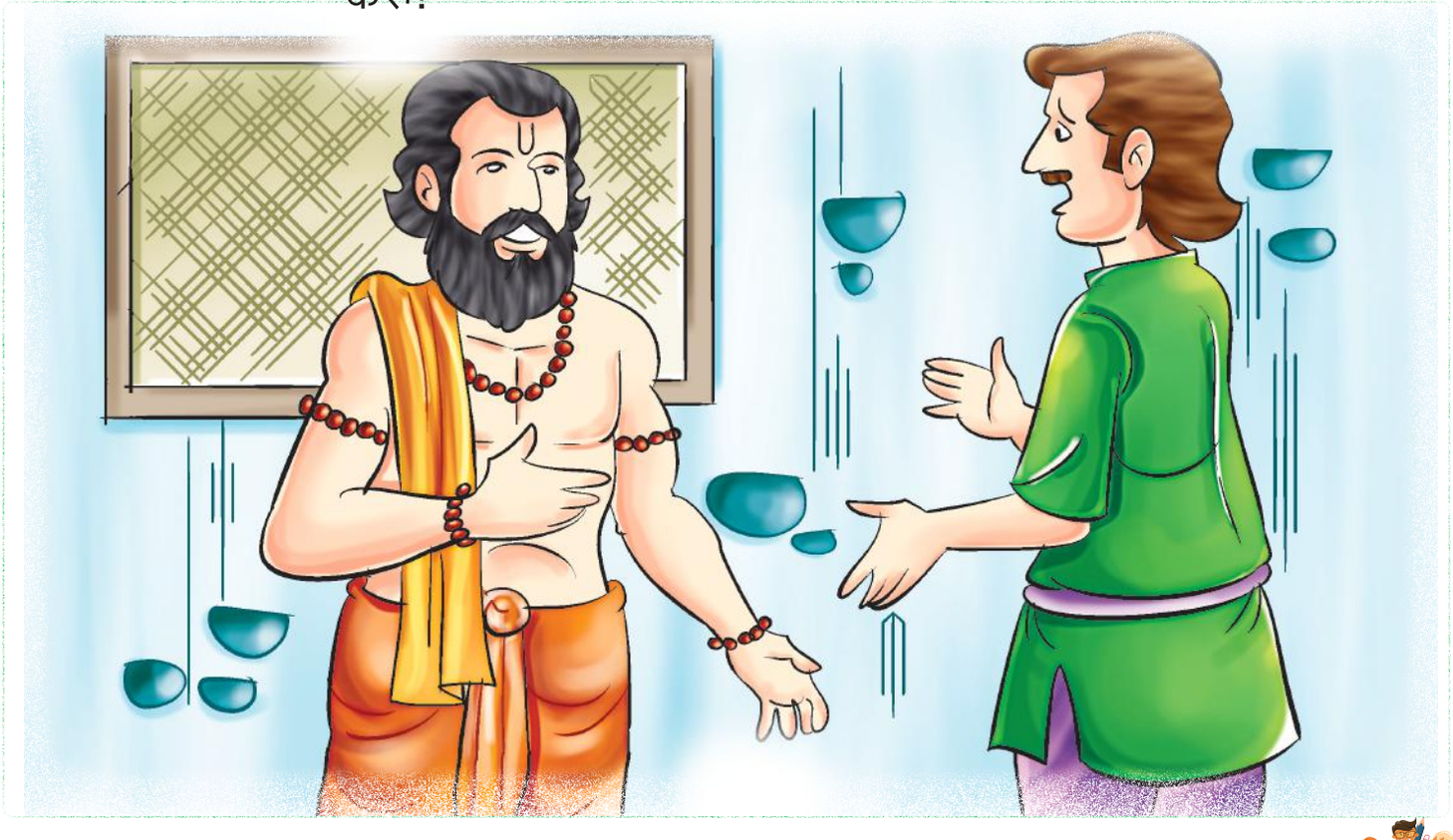

साधु – रामकिशन, इतना परेशान मत हो। दो-तीन दिन बाद आना। मैं कोई न कोई *उपाय अवश्य* बताऊँगा। (साधु ने उसे खाने का थोड़ा सामान देते हुए कहा।)

रामकिशन – जैसी आपकी आज्ञा महाराज। मैं तीन दिन बाद आपकी सेवा में उपस्थित हो जाऊँगा।

तीन दिन बाद रामकिशन पुनः आश्रम में आता है।

रामकिशन – महाराज प्रणाम।

साधु – आओ, रामकिशन। तुम तो वचन के पक्के निकले।

रामकिशन – महाराज, मुझे गरीबी से पीछा छुड़ाने का उपाय बताएँ।

साधु – हाँ...हाँ, जरूर बताएँगे। पहले एक *पुण्य* का काम कर दो।

रामकिशन – भला मैं क्या कर सकता हूँ?

साधु – देखो, हमारे आश्रम में पानी की बड़ी कमी रहती है। यहाँ साधु-महात्मा आते रहते हैं। यहाँ का कुआँ सूख गया है। इसमें थोड़ी खुदाई करनी है। इससे पानी निकल आएगा।

रामकिशन – जैसी आपकी आज्ञा। फिर तो मुझे गरीबी से छुटकारा दिलवा देंगे न?

साधु – तुम पुण्य का काम करोगे, तो भगवान तुम पर अवश्य प्रसन्न होंगे।

रामकिशन – ठीक है, महाराज। लाइए, एक फावड़ा।

साधु – सब *प्रबंध* है। कुएँ के पास पहुँच जाओ।

दो दिन बीत जाते हैं। कुआँ काफी गहरा हो जाता है। अचानक रामकिशन को एक घड़ा दिखाई देता है। वह उसे उठाकर साधु के पास ले आता है।

रामकिशन – (घड़ा रखते हुए) महाराज! कुएँ में से यह घड़ा निकला है।

साधु – रामकिशन, इस घड़े का मुँह तो खोलो।

रामकिशन – जी महाराज!

रामकिशन घड़े का मुँह खोलता है। वह उसमें भरे चाँदी के सिक्कों को देखकर दंग रह जाता है।

रामकिशन – महाराज! इसमें तो चाँदी के सिक्के भरे हुए हैं। लीजिए, सँभालिए।

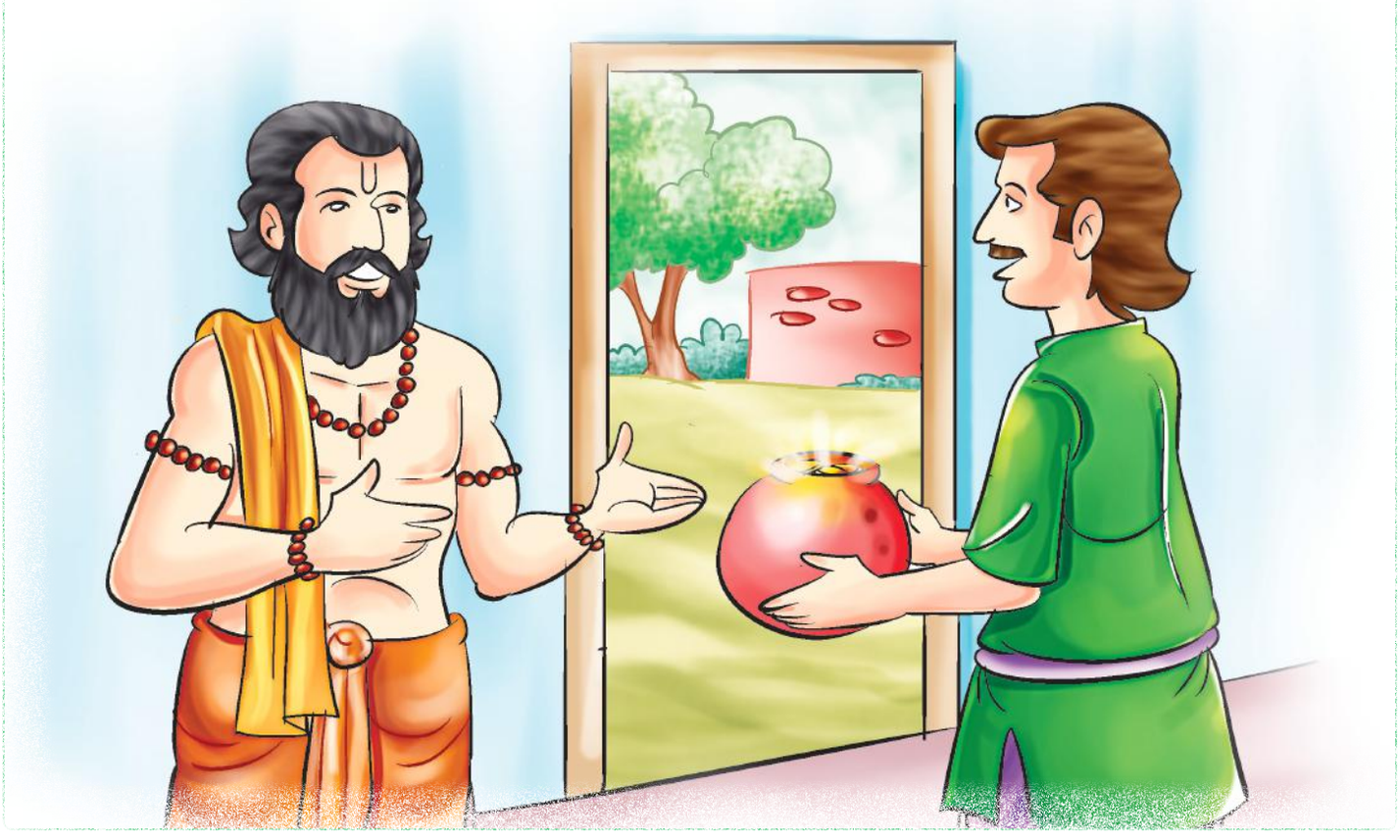

साधु – नहीं रामकिशन, यह तुम्हारे परिश्रम का फल है। इस पर तुम्हारा ही अधिकार है।

रामकिशन – यह तो आपकी कृपा है।

साधु – नहीं रामकिशन! भाग्य बनाने के लिए *कर्म* भी करना पड़ता है। कर्म करने से ही फल प्राप्त होता है। इन सिक्कों से कोई काम-धंधा शुरू करो। फिर तुम्हारी गरीबी सदा के लिए मिट जाएगी। याद रखो, *परिश्रम* ही सोने की खान है।

रामकिशन साधु के चरणों में लेट जाता है।

रामकिशन – महाराज, आपने मुझे सच्ची *राह* दिखा दी है। अब तक मैं आलसी था। अब मैं परिश्रम करने में कोई कसर नहीं छोड़ूँगा।

साधु – जाओ रामकिशन, तुम्हारा कल्याण हो।

(रामकिशन सिक्कों से भरा घड़ा लेकर चला जाता है।)

शब्द-भंडार

अन्न — अनाज *(cereals)*,
उपाय — तरीका *(solution)*,
अवश्य — जरूर *(obviously)*,
कर्म — कार्य *(work)*,
परिश्रम — मेहनत *(hardwork)*।
भाग्य — किस्मत *(luck)*,
पुण्य — भलाई *(virtue)*,
प्रबंध — इंतजाम *(arrangements)*,
राह — रास्ता *(way)*,

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

इंतजाम उपस्थित पक्के पुण्य परिश्रम कल्याण

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) आश्रम में कौन-कौन रहता था?

(ख) रामकिशन के घर में क्या समस्या थी?

(ग) रामकिशन की गरीबी का मूल कारण क्या था?

(घ) सफलता प्राप्त करने का एकमात्र उपाय क्या है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) रामकिशन ..... में रहता था।

☐ गाँव ☐ महल ☐ आश्रम

(ख) रामकिशन के घर में ..... नहीं था।

☐ सोना-चाँदी ☐ अन्न ☐ खजाना

(ग) साधु ने रामकिशन को ..... में से पानी निकालने के लिए कहा।

☐ कुएँ ☐ नल ☐ घड़े

(घ) परिश्रम ही सोने की ..... है।

☐ आभूषण ☐ खजाना ☐ खान

2. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) रामकिशन आश्रम में रहता था। ☐

(ख) रामकिशन की मदद साधु ने की। ☐

(ग) रामकिशन को कुएँ में से एक बक्सा मिला। ☐

(घ) कुआँ बहुत गहरा था। ☐

(ङ) अंत में रामकिशन को परिश्रम का फल नहीं मिला। ☐

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) रामकिशन ने साधु से क्या कहा?

(ख) आश्रम में किस चीज की कमी रहती थी और क्यों?

(ग) कुएँ को खोदते समय रामकिशन को क्या मिला? उसमें क्या था?

(घ) साधु ने रामकिशन को क्या बात समझाई?

(ङ) रामकिशन ने क्या फैसला किया?

भाषा-ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटकर लिखिए–

वाक्य	विशेषण	विशेष्य
(क) एक फावड़ा लाइए।	एक	फावड़ा
(ख) मैं तीन दिन बाद आऊँगा।	.....	.....
(ग) तुम्हें थोड़ी खुदाई करनी है।	.....	.....
(घ) ठंडा पानी पिलाओ।	.....	.....

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) गरीबी .....

(ख) सत्य .....

(ग) परिश्रम .....

(घ) ईमानदारी .....

(ङ) सफलता .....

(च) शिष्य .....

(छ) दिन .....

(ज) पुण्य .....

क्रियात्मक गतिविधि

- परिश्रम के महत्व पर पाँच वाक्य लिखिए–

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

(घ) .....

(ङ) .....